वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 188 | शनिवार 4 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जेकेके मेले में कश्मीर का नहीं लद्दाख का पश्मीना

लोक रंग में देश भर से 125 कलाकारों ने ट्रेडिशनल आर्ट और क्राफ्ट को प्रदर्शित किया

जयपुर. कासं

जवाहर कला केंद्र (जेकेके) के शिल्प ग्राम में 26वें लोक रंग मेले का आयोजन किया गया है। यहां देश भर के आर्ट एंड क्राफ्ट को प्रदर्शित किया गया है। देश भर से आए 125 लोगों ने अपनी लोक कलाओं के विभिन्न रंगों को प्रदर्शित किया। इस मेले में राजस्थान, पंजाब, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, आन्ध्र प्रदेश के लोक कलाकारों ने अपने ट्रेडिशनल आर्ट फॉर्म शोकेस की गई। मेले में लोक कलाकारों के विभिन्न प्रकार के बहुरुपिया रंग लोगो में काफी पसंद आए हैं। विजिटर्स यहां कच्ची घोड़ी डांस देख काफी खुश हुए। मेले में खरीदारी के साथ साथ अलग अलग प्रदेश के लोक रंग को देख काफी खुश हुए। लोगों ने इन कलाकारों की कला को काफी सराहा। मेले में बूंदी से आये लोक कलाकारों की टोली कच्ची घोड़ी और अलगोजा डांस को काफी पसंद किया। मेले में बूंदी से आए कलाकार सत्यनारायण नगर ने बताया- करीब 12 साल से वो और उनकी टीम तरह तरह के रूप रंग को धारण कर लोगों को अपनी लोक कला से वाकिफ कराते आ रहे हैं। उनका परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी लोक कला का इसी प्रकार से प्रचार करता आये हैं। इसके साथ ही मेले में लोक कलाकार फरीद अकबर की वेश भूषा में फिल्मी अंदाज में लोगों को काफी इन्टरटेन किया। लोक कलाकार मौसम अली आदिवासी वेश भूषा में लोगो का ध्यान अपनी और खिंचा, लोक कलाकार सलीम बहरूपिया वानर का रूप धारण को लोगों को खूब हंसाया।

लद्दाख का पश्मीना

मेले में पहली बार लद्दाख के आर्टिजंस ने अपनी कला को प्रदर्शित किया है। वो बताते हैं कि ये कश्मीरी पश्मीना से बिल्कुल अलग है। क्योंकि कश्मीरी पश्मीना पर आर्ट वर्क किए जाते हैं। रेशम और धागों ने काम किया जाता है। जबकि लद्दाख का पश्मीना सगे तरीके का होता है। जयपुर में याक के वूल से बने शॉल, जैकेट, गर्म सूट की रेंज को लेकर आए हैं। याक वूल काफी गर्म होता है। जो ज्यादा सर्दी में काम आता है। पश्मीना का कच्चा रूप लद्दाख में तैयार किया जाता है। इसके बाद कश्मीरी कलाकार कढ़ाई, और रंगाई करते हैं।

गुजरात का माड आर्ट

मेले में गुजरात के मड आर्ट, मिरर आर्ट को भी प्रदर्शित किया गया है। आर्टीजन अर्चना शर्मा बताती हैं कि दीपावली को देखते हुए मेले में गुजरात के ट्रेडिशनल आर्ट में पारंपरिक तरीके से बने हुए वाल हैंगिंग, तोरण, वंदनवार के कई रूप को प्रदर्शित किया है। इनकी खासियत है कि ये सभी चीजें दीपावली के लिए बेहद खास मानी जाती हैं। पॉलि रेजिन और फाइबर से बने डेकोरेटिव आइटम्स भी लोकरंग मेले में प्रदर्शित किए गए हैं। आर्टिजन शालिनी शर्मा ने बताया कि एक आइटम को बनाने में तीन से साढ़े तीन घंटे लगते हैं। आइटम को लिक्विड से तैयार करने के बाद पेंट किया जाता है और उसके बाद सुखाया जाता है। शर्मा ने बताया कि डेकोरेटिव आइटम्स के साथ-साथ देवी-देवताओं की मूर्तियां और वास्तु आइटम भी उनकी स्टॉल पर हैं। त्यौहारी सीजन को देखते हुए जयपुरराइट्स इन आइटम्स को काफी पसंद कर रहे हैं। मिनिएचर पेंटिंग में नेशनल अवार्ड जीतने वाले आशाराम मेघवाल ने भी मेले में अपनी पेंटिंग प्रदर्शित की हैं। आशाराम ने बताया कि उनकी पेंटिंग काफी बारीक होती है। उन्होंने बताया कि उनकी पेंटिंग काफी बारिक होने से इसको बनाने में काफी समय लगता है। मेघवाल के अनुसार आमतौर पर एक पेटिंग बनाने में एक से दो साल लग जाते हैं। कुछ छोटी पेंटिंग भी होती हैं जो करीब छह महीने में भी बन जाती हैं। वे अब तक 20 पेंटिंग बना चुके हैं और 25 साल से ज्यादा समय से पेंटिंग बना रहे हैं। इसके साथ ही वे छात्रा को भी पेंटिंग बनाना सिखा रहे हैं। मिनिएचर पेंटिंग के लिए उन्हें 2001 में नेशनल अवार्ड और 2019 शिल्पगुरु अवार्ड मिल चुके हैं।

जयपुर की 7 ट्रेनों के बदले गए रेलवे स्टेशन: मुख्य जंक्शन पर री-डेवलपमेंट के कारण दुर्गापुरा, खातीपुरा, ढेहर का बालाजी स्टेशन जाएगी ट्रेन

जयपुर. कासं

जयपुर स्टेशन पर री-डवलपमेंट कार्य के चलते ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि रेलवे द्वारा 7 ट्रेनों का संचालन जयपुर जंक्शन की बजाय दुर्गापुरा, खातीपुरा, ढेहर का बालाजी स्टेशनों से किया जाएगा। वहीं, जयपुर-गोमतीनगर (लखनऊ) - जयपुर ट्राई वीकली एक्सप्रेस ट्रेन के टर्मिनल स्टेशन में बदलाव किया है। ये ट्रेन अब जयपुर की बजाय देहर का बालाजी स्टेशन से संचालित होगी यानी ट्रेन जयपुर आएगी तो लेकिन टर्मिनेट ढेहर का बालाजी स्टेशन पर होगा। इससे झोटवाड़ा, वीकेआई, मुरलीपुरा, सीकर रोड के निवासियों को ढेहर का बालाजी

स्टेशन से ही ट्रेन मिल जाएगी। सीपीआरओ कैप्टन शशि किरण ने बताया कि जयपुर स्टेशन पर निर्माण कार्य के चलते प्लेटफार्म नंबर 6/7 पर ब्लॉक के कारण 13 जनवरी तक जयपुर-कुनुर्लू सिटी जयपुर वीकली एक्सप्रेस जयपुर की बजाय दुर्गापुरा से, मथुरा- जयपुर-मथुरा स्पेशल खातीपुरा से, हिसार-जयपुर एक्सप्रेस खातीपुरा से, जयपुर-बटिंडा खातीपुरा से, सीकर-जयपुर स्पेशल ढेहर का बालाजी से और जयपुर-चूरू स्पेशल 13 जनवरी तक ढेहर का बालाजी से संचालित होगी। इन ट्रेनों से रोजाना आने-जाने वाले 15 हजार यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

यात्रियों को ऑटो-कैब का किराया अधिक चुकाना पड़ेगा

ऐसा इसलिए क्योंकि इन स्टेशनों से आने-जाने वाले यात्रियों को ऑटो-कैब का किराया अधिक चुकाना पड़ेगा। पिछले दिनों भी जब तकनीकी कारणों के चलते ट्रेनों को इन स्टेशनों से संचालित किया था, तब यात्रियों ट्रेन के टिकट से तीन गुना तक अधिक ऑटो-कैब का किराया देने को मजबूर होना पड़ा था।

पहल लाइफ स्टाइल एग्जिबिशन में होम डेकोर से स्वास्थ लाभ तक का फायदा मिल रहा है...

जयपुर. शाबाश इंडिया

दुकानदारों और महिला उद्यमियों को बढावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार 3 नवम्बर से -5 नवम्बर तक पहल लाइफ स्टाइल एग्जिबिशन लगाई जा रही है। आयोजन संयोजक नीलू गोधा और राजेश चौधरी ने बताया कि इसमे गृह सज्जा का सामान, बेडशीट , लेडीज, जेन्ट्स और बच्चों की ड्रेसेज, दिपावली सजावटी सामान, बर्तन क्रॉकरी, फूड आइटम, साड़ी, सलवार सूट, विंटर कलेक्शन, बेकरी उत्पाद, फर्निचर, इलेक्ट्रिक आइटम आदि की स्टॉल लगाई गई है। प्रचार प्रभारी राजकुमार बैद के अनुसार इतने सारे आइटम खरीददार को एक ही छत के नीचे मिल रहे है। जिससे स्टॉल लगाने वाले लघु उद्योग, व्यापारियों और महिला उद्यमियों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्वास्थ लाभ के लिए प्राकृतिक चुम्बकीय मिनरल से निर्मित बायो मैगनेटिक प्रॉडक्ट के उपयोग से बीमारियों से निजाद कैसे पाएं, जिसमें मैग्नेट मैट्रेस, मैगनेटिक बेल्ट और मैगनेटिक पैड से रिचार्ज पानी को पी कर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें, शामिल है।

शरीर को रखना स्वस्थ तो चम्मच की बजाय हाथ से करें भोजन: चेतनाश्रीजी म.सा.

जीवन में धारण करे संतोष, लोभी मनुष्य कभी संतुष्ट नहीं हो सकता- समीक्षाप्रभाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। चम्मच की बजाय हाथों से भोजन करने वाले का शरीर सदा स्वस्थ रहता है। भोजन सही तरीके से नहीं करना भी व्याधियों का कारण बन जाता है। हाथ से भोजन करते समय अंगूठ से लेकर अंगुलियों तक सभी का योगदान होता है तो उनमें संगठन की भावना भी मजबूत होती है। माला फेरते समय

भी कर माला सर्वश्रेष्ठ है यानि अंगुठे व अंगुलियों के सहारे माला पूर्ण कर लेना। ये माला धर्म के साथ सेहत की दृष्टि से भी लाभप्रद है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शुक्रवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या वात्सल्यमूर्ति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि माला फेरते समय यादि सूत की माला का प्रयोग उत्तम है। ये माला हल्की होती है। भारी माला का उपयोग करने पर वायुकाय जीवों की विराधना अधिक होगी। धर्मसभा में उत्तराध्ययन सूत्र की आराधना के तहत तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने नवें अध्ययन नमी पव्वज्जा की चर्चा जारी रखते हुए कहा कि लोभी मनुष्य कभी संतुष्ट नहीं हो सकता। वह जितना प्राप्त कर लेता है उससे अधिक पाने की इच्छा रहती है। जीवन में संतोष धारण करने से ही इच्छाओं से निवृति होती है।

ग्यारह मंजिला सहस्त्र कूट जिनालय का होगा शिलान्यास

दर्शनोदय थूवोनजी कमेटी पहुंची आगरा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

मध्य भारत के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के मार्गदर्शन आशीर्वाद से पाषाण से निर्मित होने वाले ग्यारह मंजिल उतंग सहस्त्र कूट जिनालय के पांच मुख्य शिलान्यास कर्ता परिवारो में दो परिवारों ने इक्कीस लाख रुपए की राशि स्वीकृत कर मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।इस दौरान आगरा चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप जैन पी एन सी, महामंत्री नीरज जैन जिनवाणी, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र मोठया, कार्यअध्यक्ष पी एल बेनाडा, हीरा लाल बेनाडा, संयोजक मनोज बाकलीवाल ने शाल श्रीफल से सम्मान किया।

गुरु देव के सान्निध्य की प्रार्थना लेकर आयी है थूवोनजी कमेटी: विजय धुर्रा

दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि वर्षो की लगातार कोशिश के बाद दर्शनोदय थूवोनजी कमेटी को पत्थर से निर्मित होने वाले गारह मंजिल उतंग सहस्त्र कूट जिनालय के शिलान्यास क्रिया को विधि के साथ सम्पन्न कराने हेतु कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई निर्माण मंत्री विनोद मोदी कोषाध्यक्ष सौरव वाझल आडिटर राजीवचन्देरी सहित अन्य प्रमुख जनो ने पूज्य श्री के चरणों में श्री फल भेंट कर सहस्त्र कूट की सम्पूर्ण रूप रेखा रखीं पांच शिलान्यास कर्ताओ में से दो की स्वीकृति मिली है।

दो दातार परिवारो ने दी शिलान्यास की स्वीकृति थूवोनजी में होने वाले:

शिलान्यास की स्वीकृति प्रदान की जिनमें दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल राजेन्द्र कुमार वीरेन्द्र कुमार गौरव कुमार सचिन कुमार सौरभ कुमार टींगू मिल परिवार ने इक्कीस लाख रुपए की राशि सहस्त्र कूट जिनालय में समर्पित कर जान मानें इसरो वैज्ञानिक डॉ जी सी जैन श्रीमति अंगुरी जैन अहमदाबाद श्रीमति हेमलता केवल चंद भूषा राजेश्वरी -आशीष कुमार श्रीमति वैशाली -मनीष कुमार पूजा- मुकेश सोगानी इसरो वैज्ञानिक डॉ जी सी जैन परिवार अहमदाबाद ने इक्कीस लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान कर परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया ।पूज्य गुरुदेव के निर्देशन में शुभ मुहूर्त में पांच प्रमुख पात्रों के साथ शिलान्यास उपरांत कलशों व दीपों की स्थापना की जाएगी।

किसी अच्छे आदमी के हाथ में जाने पर बस्तू भी अनमोल हो जाती हैं: मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

इस अवसर पर धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज ने कहा कि एक ही वस्तु किसी के हाथ मे चली जाए तो वह वस्तु निर्मूल हो जाती है और वही वस्तु किसी अच्छे आदमी के हाथ मे चली जाए तो अनमोल हो जाती है हम लोगो के भाग्य से दक्षिण भारत से एक विद्याधर आ गया, उस बालक के लिए पूज्यवर ज्ञानसागर जी महाराज ने यही सिखाया, न्याय सिखाया, सिद्धान्त सिखाया, स्वाध्याय पढ़ो, पढ़ो।

वेद ज्ञान

मन पर रखें संयम

जैसे योग, आसन और व्यायाम के बगैर मानव शरीर पुष्ट नहीं होता, ठीक उसी प्रकार मन का कार्य उचित तरीके से संपन्न करने के लिए कुछ न कुछ मानसिक योग-व्यायाम भी आवश्यक हैं। जिस मानव में असीम शारीरिक शक्ति हो, लेकिन मन का स्वरूप विकसित न हो, उसे पूर्ण मनुष्य नहीं कहा जा सकता। क्या आपके मन में बीते हुए दुर्बल और हानिकारक विचार उत्पन्न होते हैं? ऐसे विचारों के लिए अंतःकरण शुद्ध कीजिए। इन्हें स्वच्छ करना बहुत जरूरी है। समस्त रोग, शोक, दुख, निराशा के विचार मन में विषैले जीवाणु उत्पन्न करते हैं। इसलिए इनसे मुक्त रहने का प्रयास करते रहना चाहिए। मन का मैल निकाल देने पर व्यक्ति उत्तम रीति से कार्य संपन्न कर सकता है। व्यक्ति का पहला मानसिक दोष उसकी अत्यधिक चंचलता है। स्वभावतः मन चंचल है, किन्तु उसका रंग-बिरंगी तितली की भांति एक फूल से दूसरे फूल पर मंडराना गलत है। कोई तत्व, विशेष विचार या भावना को ले लीजिए। वह चाहे जैसा शुष्क क्यों न हो, उस पर मन की समग्र वृत्तियों को एकाग्र कर दीजिए। मन कुछ समय उपरांत भागेगा, किंतु आप संयम द्वारा उसे बांधे रखिए। विचलित न होइए। इस क्रिया से मन में दृढ़ता आती है। मनन करना मन का श्रेष्ठ नहीं बल्कि सर्वश्रेष्ठ व्यायाम है। आप सारे दिन किस प्रकार के विचारों का चिंतन-मनन करते हैं, किन-किन विभिन्न वृत्तियों, भावनाओं में दिन गुजारते हैं? अपने मन के दृष्टा बनकर पूर्ण परीक्षा कीजिए। शास्त्र कहते हैं कि जो मनुष्य अपने विषय में तुच्छ विचार रखता है, वह भयंकर मानसिक रोग से पीड़ित है। एक ऊंची भावना मन में लेकर उसी विषय में निमग्न होकर विचरण करें। उसी से आत्मा को स्नान कराते रहें। शुभ विचार से द्वेष, घृणा, ईर्ष्या आदि का उद्भव नहीं होता। निरोग मन बनाने के लिए अपने ईश्वर तत्व को प्रकाशित कीजिए। आपके मन का प्रत्येक अणु ईश्वर तत्व से अनुप्राणित है। ईश्वर के मार्ग प्रकाश में अवरोध न डालिए। यदि अध्ययन, मनन या साधना के समय यदि मन को दृढ़ता से एकाग्रचित्त न किया जाए, तो उसके फल प्राप्त ही नहीं होते।

संपादकीय

आधुनिक समाज में हिंसा का सहारा लेना चिंता की बात

वक्त के साथ आधुनिक होते समाज में उम्मीद की जाती है कि लोगों के बीच संवेदनशीलता के सूत्र गहरे होंगे, वे आपस में सहयोग की जड़ों को और मजबूत करेंगे। मगर ऐसा लगता है कि न केवल संवेदना और सहयोग की जगह खत्म होती जा रही है, बल्कि हालत यह है कि बेहद मामूली बातों के लिए भी लोग जानलेवा हिंसा पर उतारू हो जाते हैं। जो लोग एक दूसरे के साथ उठते-बैठते, खाते-पीते हैं, उनमें से कोई एक बहुत छोटी रकम के लेनदेन से उपजे विवाद में अपने दोस्त की हत्या तक कर देता हैं। आए दिन इस तरह की घटनाएं दिल्ली जैसे शहर के लिए चिंता का कारण बन रही हैं। गौरतलब है कि दिल्ली के द्वारका में डाबरी थाना इलाके में महज पांच सौ रुपए को लेकर हुए विवाद के बाद दो दोस्तों के बीच मारपीट हुई और एक युवक ने दूसरे की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। सूचना मिलने के बाद सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी सहयोग के जरिए पुलिस ने आरोपी का पता लगाया और उसे

गिरफ्तार किया, लेकिन इस वारदात की वजह और प्रकृति से किसी भी व्यक्ति को चिंतित होना चाहिए। यों देश की राजधानी होने के बावजूद चोरी-झपटमारी से लेकर गंभीर या जघन्य अपराधों के मामले में दिल्ली की तस्वीर परेशान करती है। पिछले कुछ समय से वैसी बातों पर भी दो पक्षों में हुआ विवाद गंभीर और हिंसक शक्ल अख्तियार करने लगा है और उनमें हत्या तक के मामले सामने आने लगे हैं, जिन्हें थोड़े-से धीरज और विवेक के साथ निपटाया जा सकता है। सवाल है कि पांच सौ रुपए कितनी बड़ी रकम थी कि उसे चुकाने के मसले पर किसी की जान चली जाए! इसके अलावा, सार्वजनिक जगहों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी के दायरे में हत्या की घटना होती है, तो इसका मतलब यह भी है कि अपराधियों के बीच कोई डर नहीं है कि पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। जबकि अगर आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों को भी यह अहसास रहे कि कानून-व्यवस्था सख्त है और किसी आपराधिक घटना में पुलिस आरोपियों को तुरंत पकड़ सकती है, तो सिर्फ इतने भर से जघन्य अपराधों पर एक हद तक लगाम लगाई जा सकती है। विडंबना यह है कि न केवल आपराधिक मानसिकता वाले, बल्कि आम लोगों के बीच भी मामूली बातों पर साधारण बहस के बीच धीरज छूट जा रहा है और बिना किसी बात की फिक्र किए लोग हिंसक हो जा रहे हैं। दूसरी ओर, पुलिस की उपस्थिति का खौफ नजर नहीं आता। पुलिस कार्रवाई करती है, मगर तब तक किसी की जान जा चुकी होती है। पिछले कुछ महीनों के दौरान दिल्ली में कहीं किसी का हाथ छू जाने पर तो कहीं बहुत छोटी रकम चुकाने जैसी बातों पर भी दो पक्ष आपस में भिड़ गए और उसमें किसी की जान चली गई। सड़क पर वाहन चलाने के दौरान होने वाली हिंसक घटनाओं के दौरान यही साफ होता है कि सामान्य विवेक का इस्तेमाल कर मसले को सुलझाया जा सकता है, लेकिन दो पक्ष जब आपस में भिड़ते हैं तब बात करके शिकायत को सुनने और उसका हल निकालने की कोशिश करने के बजाय लोग पहले हिंसा का ही सहारा लेते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नए रिश्ते...

भारत-बांग्लादेश ने अपने बीच प्रगाढ़ होते संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ लिया है। एक आभासी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक साथ तीन परियोजनाओं की शुरूआत की है। सबसे खुशी की बात है कि पूर्वोत्तर भारत का बांग्लादेश से सीधे रेल जुड़ाव बढ़ जाएगा। अखौरा-अगरतला क्रॉस बॉर्डर रेल लिंक, खुलना-मोंगला बंदरगाह रेल लाइन और मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट की इकाई की शुरूआत हुई है। पिछले नौ वर्षों में दोनों देशों के बीच तीन नई बस सेवाएं और इतनी ही रेल सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। अकेले साल 2022 में चार नई आव्रजन जांच चौकियां खुली हैं और कंटेनर, पार्सल ट्रेनें शुरू हुई हैं। बांग्लादेश आज दक्षिण एशिया का एक उभरता हुआ देश है और उसका भारत के साथ बढ़ता जुड़ाव उसके लिए ज्यादा फायदेमंद है। भारत को बांग्लादेश के तेज आर्थिक विकास में भागीदार बनना ही चाहिए। बांग्लादेश यदि विकास के प्रति समर्पित होगा, तो इससे भारत को भी लाभ होगा। अगले साल बांग्लादेश में भी चुनाव होने हैं और भारत के साथ जुड़ाव का वहां राजनीतिक महत्व है। जैसे भारत सरकार साल 2047 को लक्ष्य बनाकर चल रही है, ठीक उसी तरह बांग्लादेश भी 2041 तक विकसित होने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। सांप्रदायिकता और भुखमरी से दूर एक उन्नत, समृद्ध और स्मार्ट बांग्लादेश बनाने में भारत को सहयोगी होना ही चाहिए। भारत सरकार के सहयोग से अनेक परियोजनाओं पर बांग्लादेश काम कर रहा है। बांग्लादेश में 12 आईटी पार्क भारतीय सहायता से बनाए जा रहे हैं। दोनों देश ऑनलाइन भुगतान की एक व्यवस्था से जुड़ने को इच्छुक हैं। ध्यान रहे, एक समय दोनों एक ही देश थे और भारत पूर्वोत्तर भारत से जुड़ने के लिए एक पतले से गलियारे पर निर्भर नहीं था। जिस तरह से दोनों देशों के बीच परिवहन का विस्तार हो रहा है, उससे लगता है कि आने वाले दशकों में दोनों देशों के बीच सीमाओं का अंतर घट जाएगा। दक्षेस या सार्क का जब सपना देखा गया था, तब दक्षिण एशियाई देशों के बीच अबाध परिवहन सेवाओं के बारे में भी सोचा गया था। दक्षिण एशिया में कम से कम बांग्लादेश तनाव से ऊपर उठकर भारत के साथ अपनी सीमाओं को खोल रहा है। भारत की 'पड़ोसी पहले' की नीति में बांग्लादेश का स्थान केंद्रीय है। पाकिस्तान, श्रीलंका की आर्थिक स्थिति बहुत दुर्बल है और दोनों ही देशों में आर्थिक सुधार की रफ्तार भी सुस्त है। नेपाल की अपनी मजबूरियां हैं और अफगानिस्तान में तालिबान का अलग एजेंडा है। ऐसे में, प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। ढाका और कोलकाता के बीच दूरियां तेजी से घट रही हैं। इससे व्यापार के साथ ही पर्यटन को भी बल मिलेगा। सांस्कृतिक-सामाजिक जुड़ाव भी प्रगाढ़ होगा। अब भारत-बांग्लादेश के बीच छह रेल लिंक स्थापित हो चुके हैं। भारत बांग्लादेश को अरबों रुपये अनुदान और ऋण के रूप में दे रहा है। ताजा ऊर्जा परियोजना के लिए भी भारत ने बांग्लादेश को 1.6 अरब डॉलर ऋण के रूप में दिया है। आने वाले समय में बांग्लादेश में भी अतिरिक्त ऊर्जा का उत्पादन हो सकेगा और वह भारत को ऊर्जा आपूर्ति कर सकेगा। शेख हसीना की यह टिप्पणी बहुत मायने रखती है, ''हम साबित करेंगे कि पड़ोसी के साथ अच्छे संबंध देश के विकास में कितने सहायक होते हैं।'' शायद भारत के हर प्रतिकूल पड़ोसी के कानों तक यह गूंज पहुंचेगी।

22वे जैन तीर्थंकर नेमिनाथ मोक्षस्थल गिरनार पर देशव्यापी आन्दोलन के लिए विश्व जैन संगठन ने सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। गुजरात के जूनागढ़ में स्थित 22वे जैन तीर्थंकर नेमिनाथ मोक्षस्थल प्रसिद्ध गिरनार पर्वत के लिए कोर्ट के आदेशो, वन्यजीव अभ्यारण्य और पुरातात्विक नियमों की अवहेलना कर अवैध अतिक्रमण, निर्माण करने और पूर्वी दिल्ली के पूर्व सांसद महेश गिरि द्वारा जैन समाज को डराने और बदनाम करने के विरुद्ध कार्यवाही न होने पर देशव्यापी आन्दोलन के लिए विश्व जैन संगठन के प्रतिनिधिमंडल द्वारा नयी दिल्ली के गुजरात भवन में गुजरात सरकार के लिए दिल्ली पुलिस की निगरानी में ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन श्री इकबाल सिंह लालपुरा को आयोग में याचिका देते हुए अल्पसंख्यक जैन समाज के गिरनार सहित तीर्थो के संरक्षण की मांग की। संगठन के अध्यक्ष संजय जैन ने गुजरात भवन पर कहा कि हजारो वर्ष प्राचीन महाभारतकालीन श्री कृष्ण के चचेरे भाई 22वे जैन तीर्थंकर नेमिनाथ के मोक्षस्थल गिरनार पर्वत की पांचवी टोंक पर जैन समाज वर्षो से पूजा दर्शन करता आया लेकिन वर्ष 2004 में कुछ लोगो द्वारा जैन तीर्थो पर कब्जा करने की साजिश के तहत पुलिस, प्रशासन और वन विभाग की लापरवाही से हाई कोर्ट के आदेशो, पुरातात्विक और वन्यजीव अभ्यारण्य नियमो की अवहेलना कर अवैध अतिक्रमण और निर्माण कर तभी से जैनों के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट की जा रही है। संजय जैन ने बताया कि पूर्वी दिल्ली के पूर्व सासंद महेश गिरी सांसद बनने से पूर्व 2004 से और सांसद कार्यकाल के बाद 2019 से गिरनार पर रह रहे है है और सभी गतिविधियों में शामिल है! महेश गिरी द्वारा जूनागढ़ में 7 अक्टूबर को प्रेस कांफ्रेंस और 28 अक्टूबर 2023 को आयोजित सम्मलेन में जैन समाज को गिरनार यात्रा करने में हिंसा का डर दिखाने के साथ दो संप्रदाओं को आपस में लड़ाने, झूठे व भ्रामक तथ्यों पर जैन समाज को बदनाम करने, कोर्ट के आदेशों की भ्रामक जानकारी प्रचारित करने के साथ जैन समाज के मालिकाना अधिकार वाले प्रसिद्ध शत्रुंजय पालिताना तीर्थ पर जबरन कब्जा करने हेतु लोगो को भड़काने वाले साधु का सम्मान कर पालिताना में 7 नवंबर 2023 को सभा करने की घोषणा लोकतन्त्र में अल्पसंख्यक जैन समाज के साथ अन्याय और अत्याचार की पराकाष्ठा है जिसे जैन सामाज कभी स्वीकार नही करेगा। **संकलन: अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी**

'संवर्धन' रोटरी डिस्ट्रिक्ट इंटरेक्ट सेमिनार सफलतापूर्वक संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर के द्वारा आयोजित डिस्ट्रिक्ट इंटरेक्ट सेमिनार संवर्धन का शानदार आयोजन प्रांतपाल 3056 रोटे डॉ निर्मल कुनावत के सानिध्य में 3 नवंबर 2023 शुक्रवार को आई आई एस स्कूल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ जिसमें रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 के 25 इंटरेक्ट क्लबो के लगभग 400 इनट्रैक्टर्स ने भाग लिया। रोटरी क्लब जयपुर के अध्यक्ष रोटे उजास चंद जैन ने बताया कि पूर्व प्रांतपाल एवं प्रांत 3056 ट्रेनर एवं फेलिसिटेटर रोटे डॉ अशोक गुप्ता, प्रांतपाल इलेक्ट रोटे राखी गुप्ता, सह प्रांतपाल रोटे अरुण बगड़िया के आशीर्वचन के द्वारा सेमिनार का आरंभ किया गया। चेयरमैन इंटरेक्ट रोटे श्रीकिशन शर्मा ने बताया कि मुख्य वक्ता प्रो रमेश अरोड़ा ने पावरफुल पर्सनैलिटी

पर उद्बोधन दिया जिससे खचाखच भरे ऑडिटोरियम में बच्चों के द्वारा करतर ध्वनि के साथ वक्ता के उद्बोधन का आनंद लिया गया। प्रांतपाल 3056 रोटे कुनावत ने बच्चों को संबोधित करते हुए सेमिनार के फायदे एवं इंटरैक्ट क्लब में जुड़ने के कारण को संक्षिप्त रूप से समझाया। सचिव रोटे पीयूष जैन के अनुसार सेमिनार में इंटरेक्ट स्कूलों के द्वारा ईश वंदना, सड़क सुरक्षा नुक्कड़ नाटक, बेटी बचाओ जैसे प्रोग्राम सेमिनार का आकर्षण रहे।

बैडमिंटन खिलाड़ी ऋषभ जैन दुबई में करेंगे भारत का नाम रोशन

जयपुर. शाबाश इंडिया

4 नवंबर से 8 नवंबर तक दुबई में आयोजित साउथ एशियन गेम्स में बैडमिंटन की मेन्स कैटेगरी में भारत का प्रतिनिधित्व करने हेतु मुरलीपुरा निवासी राजस्थान जैन सभा विद्याधर नगर जोन अध्यक्ष एवं दि. जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन के सचिव नीरज जैन के सुपुत्र ऋषभ जैन इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी के खिलाड़ियों के दल के साथ दुबई के लिए रवाना हुए। राजस्थान यूनिवर्सिटी कॉमर्स कॉलेज बी. बी. ए सैकंड ईयर स्टुडेंट ऋषभ जैन के कोच प्रदीप शर्मा ने बताया कि ऋषभ जैन एक उभरते हुए होनहार खिलाड़ी हैं, ऋषभ जैन श्रीलंका और नेपाल एवं भारत में स्वर्ण पदक सहित कई पदक जीत चुके हैं। दुबई में भी ऋषभ जैन भारत का नाम रोशन करेगा। ऋषभ जैन को दुबई साउथ एशियन गेम्स में बैडमिंटन की मेन्स कैटेगरी में भारत का प्रतिनिधित्व करने हेतु खेलने जाने के अवसर पर सम्पूर्ण जैन समाज के गणमान्य लोगों और ऋषभ जैन के ईष्ट मित्रों ने हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

दिवाली महोत्सव को बड़े ही अनूठे ढंग से मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। शुक्रवार को एम. पी. एस संस्कृति बगरू के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा दिवाली महोत्सव को बड़े ही अनूठे ढंग से मनाया गया, जिसमें उन्होने अपने साथ - साथ उन बच्चों की दीपावली को भी रौशन करने की एक छोटी सी कोशिश की, उन्होने अपने घरों से लाये हुये कपडे खिलौने व अन्य जरूरत का सामान उन बच्चो मे बाटा जिन्हें इनकी जरूरत थी , वे बच्चे इन वस्तुओं को पाकर बहुत खुश हुये, उनकी चेहरो की मुस्कान देखते ही बन रही थी संस्कृति बच्चे अपनी प्यारी वस्तुओं को प्रेम से बाट कर बहुत खुश हो रहे थे। विद्यालय के साथ इस प्रयास से बच्चों के साथ-साथ उनके माता-पिता भी अत्याधिक प्रभावित व खुश हुये। उन्होने कहा कि बच्चों मे नैतिक मूल्यों का विकास करने यह अनोखा प्रयास समाज के लिये अत्याधिक हित कारी होगा।

भगवान महावीर की दृष्टि में समभाव का महत्व

डॉ. नरेंद्र जैन भारती सनावद (म.प्र.)

मनुष्य के रूप में किसी जीव का संसार में आना सुखद संयोग है क्योंकि मनुष्य को धर्म धारण करने का सुयोग मिल जाता है वह अपने नैसर्गिक ज्ञान का उपयोग कर बुद्धि को इच्छा अनुसार लक्ष्य की प्राप्ति में लगता है जिसे सच्चे सुख की

प्राप्ति की इच्छा होती है वह जीव मात्र के सच्चे स्वरूप को समझ कर ऐसा पुरुषार्थ करना चाहता है ताकि दुखों से छुटकारा मिले, पाप का बंधन न हो तथा प्राणियों के प्रति सद्भावना बनी रहे। सद्भावना, समभाव से बनती है। अतः मनुष्य के जीवन में समभाव का विशेष महत्व है। भगवान महावीर स्वामी के 'दर्शन' में बताया गया है कि ''संसार के जितने भी प्राणी दिखाई दे रहे हैं उनमें आत्मा एक समान है अतः किसी भी प्राणी को न मारो और ना सताओ।'' यह उनका संदेश व्यक्ति को अहिंसात्मक जीवन पद्धति के अपनाने पर जोर देकर समान भाव रखने की प्रेरणा देता है। अतः कहा जा सकता है कि समभाव धारण करने के लिए 'अहिंसा धर्म' का पालन करना जरूरी है। मन वचन और काय (शरीर) से शरीर किसी भी जीव के प्रति विकृत भाव ना बनें, वाणी में मधुरता हो तथा शरीर का उपयोग जीव हिंसा में ना हो, ऐसा जो विचार अनवरत रखता है वही सद्भाव है जो हमारी सम भावना को मजबूत बनाता है। सम्यग्दृष्टि के भाव समभाव से आपूरित होते हैं। सम्यक दृष्टि जीव व्यक्ति प्रशम, संवेग, अनुकंपा और आस्तिक्य गुणों से युक्त होता है ये गुण सद्भाव के प्रतीक हैं जिनके मन में सद्भाव होता है वही सबके साथ समानता का व्यवहार करता है यह समानता समभाव की प्रवृत्ति के कारण सार्थक होती है ।सच्ची भक्ति और ध्यान के लिए संभव का होना जरूरी है ।अतः जीवन में समभाव रखकर मानव जीवन को सार्थक बनाना चाहिए।

अब क्या पीलिया का इलाज झाड़े से संभव है और इसका झाड़ा कहां लगाया जाता है?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

मुझे नहीं पता कि पीलिया कि इलाज झाड़े से संभव है परन्तु मैंने सुना है कि ऐसा होता है। जयपुर में एक जगह है जिसका नाम निवारू गांव है, यह झोटवाड़ा इलाके में आता है। निवारू गांव में एक राम मंदिर है वहां पर पीलिया का झाड़ा लगाया जाता है। परन्तु मुझे नहीं पता कि इससे पीलिया ठीक हो जाता है या नहीं। हर गांव में यह झाड़ा वर्षों से लगाया जा रहा है,

वास्तव में पीलिया रोग घरेलू उपचार से ठीक हो जाता है? आओ जानते हैं...

1. पीलिया से पीड़ित बच्चों को काली किशमिश का पानी और वयस्कों को पानी में भिगोई हुई किशमिश का पानी देना चाहिए।
2. लपटी, उबली ताजी सब्जियां, चावल या ज्वार की रोटी, मूंग की दाल की आमटी और गर्म पालक-टमाटर-दूध-गोभी का सूप, चावल केक, मध्यम पके केले दिए जाने चाहिए।
3. इसी तरह गन्ना भी चबाएं. दिन में कम से कम दो बार मीठा और ताजा छाछ पियें।
4. गुड़ को पानी में उबालकर उसका अर्क दिन में एक बार लें।
5. यदि पीलिया के बाद कई बार होने वाला दर्द बढ़ जाए या उल्टी या इसी तरह के बुखार के कारण अत्यधिक कमजोरी हो तो विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श लें और यदि आवश्यक हो तो अस्पताल में भर्ती होकर आगे का इलाज कराएं।

6. पीलिया एक संक्रामक रोग है जिसके अनेक उपचार हैं। सब से आसान उपाय है भुई आवला. यह बरसात के मौसम में उगने वाला पौधा है।12-15 इंच (जड़) के इस पूरे पौधे को कुचलकर इसके रस में थोड़ा सा पानी मिला देना चाहिए। इसे दिन में दो से तीन बार दो से तीन चम्मच दें। पीलिया ठीक होने तक इसे रोजाना देना चाहिए। बरसात के मौसम में पीलिया विकार अधिक पाया जाता है। इस अवधि के दौरान यह पौधा बहुत आम है। जरूरत पड़ने पर इस पौधे को सुखाकर इसका पाउडर बनाकर पानी में मिलाया जा सकता है लेकिन गीले पौधे की तुलना में इसकी गुणवत्ता कम होती है।
7. पीलिया में पेशाब का रंग लाल हो तो एरंड के 1-2 डंठल वाले पत्तों का रस पिलाना चाहिए। यह जूस रोजाना सुबह खाली पेट 4-5 दिन तक देना चाहिए।
8. जब पेशाब का रंग पीला हो लेकिन मल सफेद हो तो आंत में पित्त का मार्ग अवरुद्ध हो जाता है। ऐसे में सैंधवमिथ 2 ग्राम और त्रिकटु चूर्ण 2 ग्राम 3 दिन तक देना चाहिए। यह उपाय सूजन की रुकावट को दूर कर सकता है और पित्त नली को खोल सकता है। हालाँकि, यदि ट्यूमर, पथरी के कारण रुकावट है, तो पित्त पथ का ऑपरेशन करना होगा।
9. आयुर्वेद की दृष्टि से पीलिया रोग में तैलीय, पचने में कठिन भोजन और मिठाइयाँ वर्जित हैं। लेकिन थोड़ी मात्रा में गाय का घी (10-20 मि.ली.) देना चाहिए क्योंकि यह पित्त को कम करता है; मना मत करना. आयुर्वेद पीलिया के इलाज में तेल और घी को एक समान नहीं मानता है। तेल, डालडा, वनस्पति घी पित्तनाशक है जबकि साजुक घी पित्तनाशक है।
10. अत्यधिक पीलेपन वाले पीलिया में पहले दो-तीन दिन तक प्रतिदिन सुबह 15-20 मि.ली. घी देने के तीसरे दिन रात को भोजन के बाद 15-20 ग्राम पानी के साथ अर्ग्वध (बहाव/अमलताश) देना चाहिए। आरगवध मगज एक इमली जैसा पदार्थ है। इससे हल्का रेचक होता है और पित्त आहार नाल में गिरने लगता है।

पीलिया के लिए 24 वर्ष आयु तक को १ ग्राम फिटकरी ५० ग्राम दही में मिलाकर खिलाओ बड़े को ३ ग्राम १००ग्राम दही मे खिलाओ एक बार में पीलिया कम हो जाएगा और उस दिन सिर्फ.दही चावल ही खिलाना है और कुछ नहीं, मेरी सलाह है अपने चिकित्सक को दिखाकर उपचार लें, आप बेकार के क्रम में नहीं फसे यह बीमारी बहुत ही घातक सिद्ध हो सकती है इसका उपचार झाड फूक नहीं है ,इसका कारण दूषित पानी का उपयोग ,गलत खान पान और ज्यादा शराब पीना हैं जिसकी वजह से लिवर के कुछ हिस्सों में खराबी हो रही है यानि कि वह सही आकार में नहीं है। एक बेहतर घरलू उपचार प्राचीन समय से किया जाता रहा है, 50 ग्राम फिटकरी और 50 ग्राम मिश्री को बारीक पीसकर आधा चम्मच दो बार दिन में खाली पेट सुबह और खाने के बाद शाम को ले लो,अवश्य आराम मिल जायेगा ,अगर आप हमारे लेख से सन्तुष्ट है तो लाईक और शेयर करें।

महावीर पब्लिक स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह 4 नवंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर पब्लिक स्कूल के वर्धमान सभा भवन में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 4 नवंबर शनिवार को प्रातः 10:30 बजे किया जाएगा। इस आयोजन के मुख्य अतिथि मुकेश सोगानी प्रसिद्ध समाज सेवी होंगे। इस समारोह में विद्यालय के कक्षा 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को उनकी विभिन्न प्रतिभाओं हेतु सम्मानित किया जाएगा।

आचार्य श्री विधासागर महाराज के दर्शन किए

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिला जागृति संघ के 105 सदस्य आचार्य श्री विधासागर जी महाराज के डोंगारगढ में बड़ी श्रद्धा व भक्ति भाव से दर्शन कर आनंद विभोर हुयी। तत्पश्चात अमरकंटक में प्राकृतिक सौंदर्य का लाभ उठाया और आदिनाथ व चंद्रप्रभु के दर्शन का लाभ उठाकर वापस जयपुर आये।

आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

धन्य है वह धरती जहां गुरुओं और संतों के चरण पड़ते हैं

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में ससंघ विराजित गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में नित नये-नये कार्यक्रमों का क्रम चलता आ रहा है। गुरु माँ के मुखारविंद से शांतिप्रभु की शांतिधारा करने दूर - दूर से यात्रीगण पहुंच रहे है। आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य जी. सी. जैन भोपाल , जितेंद्र जैन भोपाल वालों ने प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने सभी मंगल उद्बोधन के माध्यम से समझाते हुए कहा कि - धन्य है वह धरती जहां गुरुओं और संतों के चरण पड़ते हैं। यह अपने सातिशय पुण्य का ही प्रभाव है जिसके कारण हम संतों की सेवा कर पाते हैं। सच्चे देव - शास्त्र - गुरू की सेवा , वैयावृत्ति , दान आदि देने का असीम फल स्वर्ग आदि में अपना स्थान सुनिश्चित करना है। माताजी ने उदाहरण देते हुए कहा कि - एक कुत्ता जिसके गले में पट्टा है वो पालतू है और जिसके गले में पट्टा आदि नहीं है वह फालतू है। एक कुत्ता अउ की गाड़ी में घूमता है अच्छा खाता है। यहां तक की अच्छे कपड़ें भी पहनता है । और एक कुत्ता गलियों में घूमता, खाने के लिए तड़पता है। तो ये सब पूर्व कर्म का ही फल है। जो कुत्ता पालतू है उसने पूर्व में दान किया होगा , देव - शास्त्र - गुरु की भक्ति की होगी पर अंतिम समय उसके भाव विपरीत

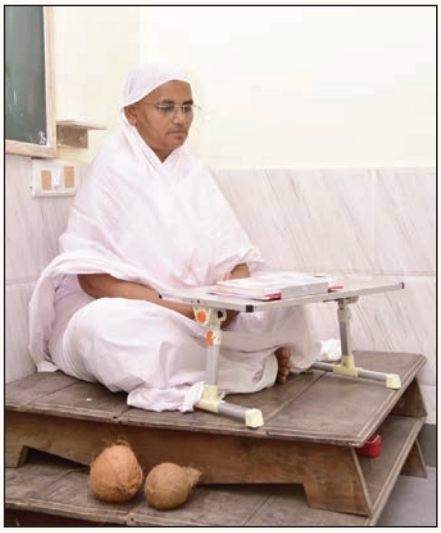

हो गये जिसका फल तिर्यंच पर्याय में जन्म मिला । लेकिन दान का फल भी उसे मिला इसलिए पालतू बना। हम सब भी यदि मन से दान पूजा सेवा करेंगे तो फालतू नहीं बनेंगे। लेकिन हमें न फालतू बनना है न पालतू तो अपने भावों को संभालकर धर्म में लगाये रहे जिससे हमारा इस मनुष्य भव में जैन धर्म पाना सार्थक हो जाये ।

कर्मफल से स्वंय भगवान भी नहीं बच पाऐ और नाही कोई प्राणीं बच सकता हैः महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। कर्म भगवान को भी नहीं छोड़ते है। शुक्रवार साहुकारपेट जैन भवन मे महासती धर्मप्रभा ने आयोजित धर्मसभा में श्रध्दांलूओ को सम्बोधित करतें हुए कहा कि कर्मफल भोगने से स्वंय भगवान नहीं बच सके तो अन्य संसारिक जीवों की क्या बिसात है जो वह कर्मो से बच पाएंगे। संसार में कर्म ही प्रधानता है कर्मो का फल तो लोगों को भोगना ही पड़ता है,चाहे वह इस जन्म में भोगे या अगले जन्म में भोगें बिना संसार से छुटकारा नहीं मिल सकता है। दुनिया ऐसा को प्राणी नहीं हुआ है जिसने कर्म से बचकर संसार से मुक्ति पाई हो। बिना भुगतान किये कर्म

पीछा नहीं छोड़ते है चाहे हंस भुगते या रोकर कर्म किसी को भी नहीं बख्शते है। मनुष्य कर्म बांधते वक्त यह सोचता है उसे कौई नही देख रहा है लेकिन कर्मो के एक नहीं असंख्य आंखे है लाख जतन करले मनुष्य पर कर्म छिपाऐ छिपने वाले नहीं है। साध्वी स्नेहप्रभा ने श्रीमद उत्तराध्ययन सूत्र के बीसवें और इक्कीस वें अध्याय महानियठिज्यं - समुद्दपालीय पाठ का वर्णन करतें हुए कहा कि धर्म सुरक्षा कवच है जो मनुष्य धर्म की रक्षा करता है तो धर्म उसकी सुरक्षा कवच बनकर उसकी रक्षा करता है। अनिती और अधर्म के मार्ग पर चलने वाला इंसान संसार से मुक्ति नहीं पा सकता है,पर धर्म के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति ही संसार से मुक्ति प्राप्त करके वह अपनी आत्मा को मोक्ष दिला सकता हैं। इसदौरान धर्मसभा मे बाहर से पधारें अतिथियों का श्रीसंघ के हस्तीमल खटोड़,सुरेश डूगरवाल, शम्भूसिंह कावड़िया मंत्री सज्जनराज सुराणा आदि ने गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। श्रीसंघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया 5 नवम्बर रविवार को प्रातः 8: 30 से 11:00 बजें तक साहुकारपेट के जैन भवन में महासती धर्मप्रभा, साध्वी स्नेहप्रभा के सानिध्य में विशाल स्थर पर 108 पैसिठिया यंत्र के महाजाप होगा। जिसमे चैन्नई महानगर के उप नगरों के श्रध्दांलूओ के अलावा अनेक क्षेत्रों के श्रध्दांलू भाई-बहन सामूहिक रूप से साध्वीवृंद के साथ पैसिठिया यंत्र के जाप करेंगे।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

हमसे बहुत बडी भूल हो रही है शायद यही भूल तुम्हें भटका रही है। अभी तक हमने वेद, पुराण, उपनिषद और अनेक ग्रन्थों को पढ़ा। तब भी जीवन में परिवर्तन नही आया। एक बार स्वयं को पढ़ने की जरूरत है। सिर्फ एक बार, स्वयं की आत्मकथा पढ़ो। अभी तुमने गांधी जी, विवेकानंद जी, नेहरू जी, टालस्टॉय और वर्णी जी की आत्मकथा पढ़ी होगी। लेकिन मैं कहता हूँ अब एकान्त में बैठकर, अपनी आत्मकथा को पढ़ डालो। फिर देखो जीवन कैसे महकता है। आत्मकथा पढ़ने से मेरा तात्पर्य अपने मन को पढ़ने से है। मन में उठने बाले विचारों को पढ़ने से है। मन के सागर में आने वाली लहरों को देखने से है। अपने मन पर निगरानी रखिये कि कहीं वह प्रभु-पथ से भटक ना जाये। कहीं वह क्षुद्र स्वार्थों की खातिर धर्म, न्याय और नीति को छोड ना बैठे।

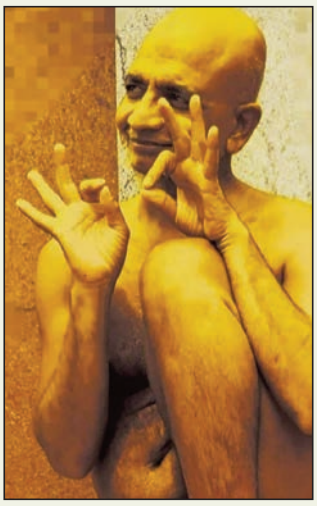

क्योंकि यह मन बहुत बेईमान है। पद, पैसा और प्रतिष्ठा के लिए , कुछ भी करने को तैयार हो जाता है। कहीं ये मन, पाप और अधर्म के तत्पर ना हो जाये। अपने मन को पढ़ते रहना ही आत्म कथा पढ़ना है। ध्यान रखना। कपडा बिगड़े - चिन्ता नहीं करना। भोजन का स्वाद बिगड़े - चिन्ता नहीं करना। व्यापार बिगड़ जाये - चिन्ता नहीं करना। बेटा बिगड़ जाये तब भी चिन्ता नहीं करना। सिर्फ चिन्ता इतनी सी करना। कहीं मन और दिल ना बिगड़ जाये क्योंकि इस दिल में ही तुम्हारा दिलबर रहता है। अपना प्यारा सा मन और खुबसूरत दिल, सिर्फ सन्त और अरिहन्त को ही देना। फिर कभी दिल का दौरा भी नहीं पड़ेगा।

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com